No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-03

05013

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए.हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

एम.एच.डी.-03 : उपन्यास एवं कहानी

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं। सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

1. 'गोदान' उपन्यास के अन्तर्गत मातादीन और सिलिया की प्रासंगिक कथा में दलित आक्रोश की सृजनात्मक परिणति को मातादीन के हृदय-परिवर्त्तन के रूप में चित्रित किया गया है। इसमें निहित प्रेमचन्द के संदेश पर प्रकाश डालिए। **20**

अथवा

अस्पृश्यता दलित समुदाय की सबसे अपमानजनक और मारक समस्या है। 'धरती धन न अपना' में लेखक को इसके चित्रण में कहाँ तक सफलता मिली है?

2. आंचलिक उपन्यासों की परम्परा में 'मैला आँचल' एक अन्यतम कृति है। इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? तर्क संगत उत्तर दीजिए। **20**

अथवा

'बाणभट्ट की आत्मकथा' की शिल्पगत विशेषताओं का आकलन करते हुए यह बताइए कि क्या इसे औपन्यासिक शिल्प में एक अभिनव प्रयोग माना जा सकता है?

3. 'ठाकुर का कुआँ' शीर्षक कहानी में प्रेमचन्द ने छुआछूत की जिस अपमान जनक समस्या को उठाया है, वह वर्ण-व्यवस्था और जातिप्रथा का सबसे घिनौना दुष्परिणाम है। इस कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए। 20

अथवा

'भोलाराम का जीव' कहानी के माध्यम से कहानीकार ने आज़ाद भारत की भ्रष्ट नौकरशाही की तीखी आलोचना की है, इस सन्दर्भ में आप अपना पक्ष प्रस्तुत कीजिए।

4. कथ्य और संवेदना के स्तर पर 'त्रिशंकु' शीर्षक कहानी की समीक्षा कीजिए। 20

अथवा

'सिक्का बदल गया' में लेखिका ने विभाजन की पीड़ा और विस्थापन की समस्या को बड़ी संजीदगी के साथ चित्रित किया है। इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 10x2=20

(क) 'पुरस्कार' की मधूलिका

(ख) 'पाजेब' कहानी की भाषा

(ग) 'चीफ़ की दावत' का निहितार्थ

(घ) 'पिता' कहानी का सामाजिक यथार्थ